मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, मिर्जापुर, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, प्रतापगढ़ में वितरित

Visit Us at : www.kadamkadampar.com

कदम कदम पर

संपादक: छोटेलाल शर्मा

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

RNI No. : MAHHIN/2014/55126 PR No. : MNE/329/2023-2025 POSTED AT BHANDUP (E) POST OFFICE, MUMBAI-42 ON EVERY TUESDAY **संपादक :** छोटेलाल शर्मा

वर्ष - 10 अंक - 37 मुंबई, सोमवार, दिनांक 05 जून से 11 जून 2023 पृष्ठ : 04 कीमत : 3 /- रुपये

जेजे अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी

डॉ. लहाने ने आरोपों को नकारा, कहा-विभाग कर रहा है अच्छा काम

मुंबईः स्टाइपेंड के भुगतान व सर्जरी से दूर रखे जाने से नाराज जेजे अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों की तीसरे दिन भी हड़ताल जारी रही, जिसके चलते शुक्रवार को मरीजों की मुश्किलें बढ़ गईं। रेजिडेंट डॉक्टरों ने सोमवार से अपनी हड़ताल को राज्य स्तरीय करने की योजना बनाई है। अस्पताल की डीन डॉ पल्लवी सापले ने कहा कि हड़ताल करनेवाले डॉक्टरों के साथ हमारी बातचीत जारी है। हालांकि, डॉक्टरों की इस हड़ताल से होनेवाली परेशानी से बचने के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। शुक्रवार को अस्पताल में कुल 46 सर्जरी की गई। इसमें से 10 बड़ी सर्जरी थी, जबकि 36 छोटी सर्जरी की गई। इस बीच, अस्पताल की ओपीडी में 1,467 मरीज पहुंचे और 55 नए मरीज भर्ती किए गए। फिलहाल अस्पताल में 850 मरीज भर्ती हैं।

अस्पताल के पूर्व डीन डॉक्टर लहाने ने रेजिडेंट डॉक्टरों की ओर से लगाए जा रहे आरोपों को लेकर

शुक्रवार को मीडिया के सामने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि नेत्र चिकित्सा विभाग काफी अच्छा काम कर रहा है। 1995 से पहले तक इस विभाग में केवल 30 मरीज आते थे। तब साल भर में आंखों की 600 सर्जरी होती थी। वर्तमान में 300 से 400 मरीज विभाग में रोजाना आ रहे हैं और साल भर में दस हजार से 18 हजार के करीब सर्जरी हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 28 साल में 692 शिविर आयोजित कर 30 लाख मरीजों का उपचार किया गया है, जबकि 70 हजार मरीजों की सर्जरी की गई है।

मरीज की बढ़ी मुसीबत

जेजे अस्पताल के आथोर्पेडिक वार्ड 10 में घुटने के इलाज के लिए भर्ती मरीज सफी की सर्जरी डॉक्टरों के हड़ताल के चलते टल गई। सोमवार से अस्पताल में भर्ती सफी की शुक्रवार को सर्जरी होनी थी। डेट दी गई थी, लेकिन जब सर्जरी का समय आया तो उन्हें बताया गया कि अब उन्हें दोबारा ऑपरेशन की तारीख बताई जाएगी। कई अन्य मरीजों की भी सर्जरी टाल दी गई है। नेत्र चिकित्सा विभाग में इमरजेंसी सर्जरी को छोड़कर बाकी एक भी सर्जरी नहीं हुई है।

ठाणे जिले का रिजल्ट 93.63 प्रतिशत,

लड़कों की अपेक्षा लड़कियां अव्वल

ठाणे : महाराष्ट्र राज्य शिक्षा परिषद की तरफ से 10वीं का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया गया। ठाणे जिले में 93.63 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। इस बार भी लड़कों की अपेक्षा लड़कियों ने अधिक सफलता हासिल की हैं। शिक्षा परिषद ने परीक्षा परिणाम घोषित करने का ऐलान पहले ही कर दिया था। ऑनलाइन रिजल्ट घोषित किया गया था उसके बावजूद कई स्कूलों में विद्यार्थियों की भीड़ देखी गयी।

कई स्कूल प्रबंधन ने परीक्षार्थियों को दूसरे कालेजों में प्रवेश को लेकर उन्हें मार्गदर्शन के लिए बुलाया था। उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों में जहां खुशी व्याप्त है, वहीं अच्छे ज्यूनियर कॉलेज में एडमिशन की चिंता भी सताने लगी है। ज्यूनियर कॉलेज में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है।

ठाणे जिले में इतने विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए कराया था पंजीकरण

इस साल ठाणे जिले में 1 लाख 11 हजार 587 विद्यार्थियों ने 10 वीं की परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। जिसमें 57 हजार 562 लड़के और 54 हजार 25 लड़कियां शामिल थी। शुक्रवार को घोषित परीक्षा परिणाम के मुताबिक 52 हजार 743 लड़के और 51 हजार 359 लड़कियां कुल मिलाकर 1 लाख 4 हजार 102 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। लड़कों का परीक्षा परिणाम 91.98 प्रतिशत आया है, जबकि 95. 38 प्रतिशत लड़कियां पास हुई हैं।

नागरिकों के स्वास्थ्य से हो रहा खिलवाड़

नवी मुंबई : नवी मुंबई में हार्बर रूट पर रेलवे स्टेशन के पास में नाले और गटर के पानी से सब्जियां उगाई जा रही हैं। जिसे पहले खुदरा बाजार या होटल व्यवसायियों को बेचा जा रहा था। लेकिन अब यह सब्जी वाशी के एपीएमसी बाजार में भी बिकने लगी है। जिसे नवी मुंबई, मुंबई और उपनगरों में खुदरा सब्जी विक्रेता खरीदकर बेचने के लिए ले जा रहे हैं। ऐसी सब्जियों को बेचकर लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। जिसकी जानकारी होने के बावजूद प्रशासन द्वारा इस मामले की अनदेखी की जा रही है।

गौरतलब है कि वाशी स्थित एपीएमसी की सब्जी बाजार में महाराष्ट्र के अलावा पड़ोसी राज्यों से पत्तेदार सब्जियां और फल सब्जियां बिक्री के लिए आती हैं। विगत कुछ सालों से नवी मुंबई के जुईनगर, तुर्भे से लेकर ऐरोली, मानखुर्द, ठाणे, कल्याण, भिवंडी तक रेलवे लाइन के किनारे नालों और गटर के पानी से उगाई जाने वाली सब्जियां वाशी स्थित एपीएमसी की सब्जी मंडी में बिक रही हैं। जिसकी आवक लगातार

बढ़ रही है।

नालों और गटर के पानी से सब्जियों की सिंचाई

गौरतलब है कि रेलवे ट्रैक के पास की जमीन पर अतिक्रमण से बचने के लिए रेल प्रशासन मामूली शुल्क लेकर जमीन को पट्टे पर दे देता है। जिस पर जल्दी तैयार होने वाली पत्तेदार सब्जियों की खेती की जाती है। जिसकी सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था नहीं है, इसलिए इन पत्तेदार सब्जियों की खेती करने वाले पास से गुजरने वाले नालों और गटर के पानी से सब्जियों की सिंचाई होती हैं।

रासायनिक अपशिष्ट जल का किया जा रहा उपयोग

रेलवे स्टेशनों के पास उगाई जाने वाली पत्तेदार सब्जियों में पालक, भिंडी, लाल चौली, हरी चौली, मूली, पत्तेदार प्याज जैसी सब्जियां शामिल हैं। इन पत्तेदार सब्जियों को उगाने के लिए रेलवे पटरियों के किनारे से गुजरने वाली गटर और नालों से बहने वाले रासायनिक अपशिष्ट जल का उपयोग किया जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इस तरह के रासायनिक तत्व वाले पानी से उगाई गई सब्जियों का सेवन से पेट और शरीर से संबंधित कई गंभीर बीमारी होने का खतरा है। उक्त अपशिष्ट पानी में विभिन्न प्रकार के रसायन, जहरीली गैसें, शौचालय का अपशिष्ट जल होता है, जो शरीर के लिए हानिकारक होता है। मुख्य रूप से नाइट्रोजन, लेड, फास्फोरस तथा अन्य विषैले पदार्थ हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। रासायनिक तत्व वाले पानी से उगाई गई सब्जियों का सेवन शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति में बाधा डालती है, जबकि इन सब्जियों में मौजूद सीसा और अन्य भारी धातुएं रोगप्रतिकारक प्रणाली की क्षमता को कमजोर करती हैं। इसके अलावा जो लोग इन पत्तेदार सब्जियों को खाते हैं उनमें श्वसन संबंधी रोग होने की संभावना अधिक होती है। इन सब्जियों के सेवन से बच्चों को डायरिया होने की संभावना बनी रहती है। इस तरह की सब्जियों को उगाने पर रोक लगाने की जरूरत है।

60 प्रतिशत बढ़ा ब्रिज निर्माण का खर्च

9 करोड़ से बढ़कर 15 करोड़ पहुंचा

मुंबई : मनपा ने बी वार्ड (सैंड हर्स्ट रोड) और ई वार्ड (भायखला) के अंतर्गत अण्णा साहेब पाटील (ग्लोरिया चर्च) ब्रिज, सीताराम सेलम (वाय ब्रिज) , ऑलिवेंट रेलवे आरओबी, मस्जिद पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाला पादचरी पुल और भंडारी रेलवे ब्रिज का मरम्मत करने के लिए मनपा ने स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया था। मनपा ने ब्रिज के मरम्मत और निर्माण का खर्च वर्ष 2021 में 94741425 करोड़ रुपये मंजूर किया था । इस बीच मनपले ने ब्रिजो का दोबारा स्ट्रक्चरल ऑडिट करने का निर्णय लिया ।ब्रिज का दोबारा स्ट्रक्चरल ऑडिट के बाद मरम्मत करने का निर्णय लिया जिस पर अब 155838530 करोड़ रुपये खर्च किया जाना है।मनपा द्वारा ब्रिज के मरम्मत

और निर्माण में तीन साल देरी और फिर खर्च में हुई बढ़ोत्तरी को लेकर सवाल खड़ा किया जा रहा है।मनपा विरोधी पक्ष नेता रहे रविराजा ने आरोप लगाया कि जानबूझकर काम में देरी करना और फिर खर्च की लागत बढ़ाना इस समय मनपा में चल रहा है उन्होंने इसे बड़ा घोटाला होने का आरोप लगाया।

ब्रिज के मरम्मत और निर्माण की मूल लागत में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो गई है। मनपा आयुक्त नेनिस प्रस्ताव को मंजूरी दी है।मनपा प्रशासन का कहना है कि काम में कुछ बदलाव का सुझाव आइआइटी मुंबई ने दिया है। इस कारण ब्रिज में बड़े बदलाव से लेकर उसकी मरम्मत की आवश्यकता है। साथ ही प्रिंसेस स्ट्रीट आरओबी के रंगरोगन का भी काम किया जाएगा। मनपा ने पिछले दिनो मुंबई में कई ब्रीजो के दुर्घटना होने पर 2018 के बाद मुंबई में हर 6 महीने में ब्रिजों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। जिसमें ब्रिज की मौजूदा स्थिति का पता चलता है। लेकिन यह ब्रिज काफी महत्वपूर्ण हैं इसलिए इनका भी स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया गया था।

अति आवश्यक सूचना

अपार हर्ष के साथ सादर अवगत कराना है कि, एआईएमसीईए विंध्याचल मंडल की मंडलीय प्रशिक्षण शिविर जनपद मिजार्पुर में तहसील चौराहे के पास राधे लॉन में दिनांक 18 जून 2023 रविवार को प्रातः 9:00 बजे से आयोजित किया गया है ,जिसमें प्रशिक्षक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष माननीय बी०डी० नंद जी हैं, आप सभी मंडल के पदाधिकारी जनपद मिजार्पुर, सोनभद्र तथा भदोही के जिला ब्लॉक ,तहसील एवं नगर स्तर के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों से सानुरोध प्रार्थना है, कि इस प्रशिक्षण में निश्चित रूप से सहभाग करने की कृपा करें ऐसा अवसर बड़े ही सौभाग्य से हासिल होता है, इस कार्यक्रम में सौभाग्य से माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष भी सहभाग करेंगे, धन्यवाद आपका ही अपना झल्लन शर्मा जिलाध्यक्ष सोनभद्र एआईएमसीईए उत्तर प्रदेश एवं जिला योग विस्तारक जनपद सोनभद्र पतंजलि योगपीठ हरिद्वार

संविधान में निहित है जनता के दुखो का निदान इसलिए मौलिक अधिकार पार्टी 10 जून को संविधान प्रचार यात्रा निकालेगी जो पहले चरण में यूपी बिहार और मध्य प्रदेश में जायेगी.

संपादकीय

छोटे लाल शर्मा, प्रधान संपादक

साढ़े चार करोड़ लंबित मुकदमे!

यह तथ्य सामने आने पर हैरानी नहीं कि देश भर के न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या साढ़े चार करोड़ पहुंच गई है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए हैं। इसका ही परिणाम है कि एक लाख से अधिक मामले ऐसे हैं, जो तीन दशक से भी अधिक समय से लंबित हैं। इसका अर्थ है कि आवश्यकता से अधिक लंबे समय से लंबित मुकदमों को निपटाने की भी कोई पहल नहीं की जा रही है। ऐसे कुछ मामले सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित हैं। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट लंबे समय से लंबित मामलों को निपटाने की पहल कर रहा है, लेकिन आखिर ऐसी कोई पहल उच्च न्यायालयों की ओर से क्यों नहीं की जा रही है?

क्या यह उचित नहीं होगा कि उच्च न्यायालय लंबित मामलों का निपटारा कर निचली अदालतों के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत करें? बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना ह्यन्याय में देरी अन्याय हैह्न वाली उक्ति को ही चरितार्थ करता है। यह एक विडंबना ही है कि जब हर क्षेत्र में सुधार हो रहे हैं तब न्यायिक क्षेत्र में सुधार अटके से पड़े हैं। इसकी कीमत आम लोगों को ही नहीं, विकास योजनाओं और कार्यक्रमों को भी चुकानी पड़ रही है। हमारे नीति-नियंता इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि देश की प्रगति को गति देने के लिए समय पर न्याय देना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि लंबित मुकदमों को लेकर जब-तब चिंता जताई जाती रहती है। पिछले कुछ समय में तो राष्ट्रपति ने भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों का ध्यान मुकदमों के लंबित रहने से होने वाले दुष्परिणामों की ओर आकर्षित किया है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह न केवल निराशाजनक, बल्कि चिंताजनक है कि 11वें वित्त आयोग की ओर लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने के बाद भी ऐसे मुकदमों के निपटारे की गति धीमी है। इसका मतलब है कि न्यायिक प्रक्रिया में ही कहीं कोई खामी है। इसका एक प्रमाण है तारीख पर तारीख का सिलसिला। न्याय समय पर न मिलने के कारण लोगों का अदालतों पर भरोसा डिग रहा है। वे मजबूरी में ही अदालतों की ओर रुख करते हैं। यह सही है कि अदालतों और न्यायाधीशों की कमी भी मुकदमों के लंबित रहने का एक कारण है, लेकिन यदि न्यायिक प्रक्रिया की खामियां दूर नहीं होतीं और मामलों को एक तय समय में निपटाने की कोई कारगर व्यवस्था नहीं बनती तो फिर न्यायालयों को संसाधन संपन्न बनाए जाने से भी बात बनने वाली नहीं है। समय आ गया है कि कार्यपालिका और न्यायपालिका के लोग यह समझें कि लंबित मुकदमों के बोझ को लेकर केवल चिंता जताए जाने से कुछ होने वाला नहीं है।

उ.प्र. के कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल का पनवेल में सत्कार

मुंबई. उ.प्र.के कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल के मुंबई आगमन पर डॉ. सुभाष सिंह के संस्कार बंग्लो,पनवेल पर सत्कार समारोह किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथी के रूप में बिपीन कुमार सिंह (डीजीपी महाराष्ट्र), अशोक सिन्हा, श्रीमती रंजना सिन्हा (पुर्व आई. ए. एस) उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुंबई के वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबुलाल सिंह पटेल, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवाब्रिगेड एसोसिएशन), डॉ.

दीपक सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा कूर्मि क्षत्रिय सभा), हरीश वर्मा (अध्यक्ष महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय समाज), भावेश भानुशाली (समाज सेवी), संजय पाटील (अध्यक्ष, अ. भा. कूर्मि क्षत्रिय महासभा,महाराष्ट्र), समाज सेवी डॉ अशोक सिंह, द्विजेन्द्र तिवारी (वरिष्ठ पत्रकार), महेंद्र वर्मा,डॉ. एस.आर.वर्मा, शंभु सिंह पटेल, वी के वर्मा, हरिराम वर्मा, एम.के.सिंह, ए. के. कटियार ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर मंत्री जी का सत्कार किया।

इसके पूर्व आशीष सिंह पटेल द्वारा सोनारी, उरण, रायगढ में डॉ सुभाष सिंह के पैनेशिया मल्टी स्पेशियलिटी हास्पीटल का उद्घाटन किया।

बीआरएस के माध्यम से वंचित किसानों को न्याय दिलाएंगे बहुजन : स्वरा मराठे

नांदेड़ (संजय धाडवे)

बीआरएस ने तेलंगाना राज्य की राजनीति में एक सफल कदम रखा है। महाराष्ट्र राज्य में सरकार सकारात्मक नहीं सोच रही है, तो किसान आत्महत्या क्यों कर रहा है ? तो राज्य सो रहा है एक सवाल है, केसी राव मुख्यमंत्री श्री नांदेड़ ने महाराष्ट्र से महाराष्ट्र में अपना मुहूर्त बनाया भारत से आए बहुजन समाज ने भारत राष्ट्र समिति के माध्यम से मिलकर अच्छाई बनाई दलित किसानों को न्याय दिलाने के लिए बहुजन नांदेड़ योद्धा स्वरा मराठे ने इस बार सुवर्ण महाराष्ट्र पर अपनी राय व्यक्त की है। आज सोई हुई अवस्था को जगाने का समय है। स्वरा जी, यह गरीब जनता का दिल है। गरीब जनता कहां जाएगी ? आज है और मेरी बाकी की जिंदगी महाराष्ट्र की जनता के लिए है। नांदेड़ रणरागिनी स्वरा ने कुछ ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। केसी राव ने नांदेड़ को क्यों चुना है ? बीआरएस कर रही है

डीह बाबा के मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के कोरीं गांव (रामसिंहपुर) में स्थित भुइयां डीह बाबा के मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। मुंबई के कारोबारी हरिश्चंद्र विश्वकर्मा द्वारा लाखों रुपया खर्च कर इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराने के साथ ही सुंदरीकरण कराया गया। इसके पश्चात मंदिर पर रामायण पाठ का आयोजन कर प्रसाद वितरण हेतु भंडारे का आयोजन हुआ। प्रसाद वितरण का कार्यक्रम देर रात तक चला। कारोबारी के इस नेक पहल की चहुंओर चर्चा होती रही। भंडारे में वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष व विधायक हंसराज विश्वकर्मा, ग्राम प्रधान प्रमोद गुप्ता, अशोक सिंह, सेवानिवृत्त फौजी प्रदीप सिंह, संजय मौर्य, दीनदयाल विश्वकर्मा, नंदकिशोर पटेल (अधिवक्ता), रमेश विश्वकर्मा, लवकेश विश्वकर्मा, बबलू सिंह, शैलेन्द्र सिंह ह्यपिंटूह्न (पत्रकार), बालता प्रसाद, मनीष विश्वकर्मा, मिंटू समेत बड़ी संख्या ग्रामीण पहुंचे।

मेधावी विद्यार्थी का अभिनंदन

मुंबई - वागले इस्टेट, ठाणे निवासी मेवालाल सिंह के सुपुत्र अमित सिंह ने शालांत परीक्षा में 92.80 प्रतिशत अंक हासिल किया है।वह मिथिला इंग्लिश हाई स्कूल, ठाणे के विद्यार्थी हैं। अमित सिंह की शानदार उपलब्धि पर वरिष्ठ समाज सेवी डॉ.बाबुलाल सिंह, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवाब्रिगेड एसोसिएशन), समाज सेवक डॉ. दीपक सिंह,शिक्षाविद डॉ.आर.एम. पाल,चंद्रवीर यादव,देवेन्द्र सिंह, अवधेश सिंह ने बधाई दी है।

तथा उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनायें प्रदान किया है। अमित मेवालाल सिंह मूलतः ग्राम- सोनवर्षा,चुनार, मिजार्पुर के निवासी हैं।

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र
कदम कदम पर
संरक्षक
जे.पी. शर्मा
संपादक
छोटेलाल शर्मा
०९८१९८६२१७२
प्रबंध संपादक
अनिल शर्मा
०९८३३३२९७२१
उप संपादक
हरिशंकर शर्मा (मुन्ना)
राजन शर्मा
आर्थिक सलाहकार
सतीशचंद्र गुप्ता
प्रतिनिधि
सौरभ उमेश प्रताप सिंह
राजेश कुमार शर्मा
कानूनी सलाहकार
एड. बी.एम. शर्मा
एड. आर. आर. शर्मा
एड. भाष्करानंद द्विवेदी
मो. ९४५२७९१५७०
(न्याय क्षेत्र मुंबई)
सभी पद अवैतनिक हैं
व्हॉट्सएप नं. ९८३३२३५०६३

मुंबई को बदसूरत करने वाली होर्डिंगी के खिलाफ आयुक्त सख्त...

मुंबई : पिछले कुछ दिनो से मुंबई को बदसूरत करने वाली होर्डिंग की भरमार हो गई है। मुंबई हाई कोर्ट अवैध रूप से लगने वाली हॉर्डिंगो के खिलाफ इसके पहले कई बार सख्त आदेश दिया है बावजूद इसके होर्डिंग की भरमार लगी रहती हैं। मनपा आयुक्त ने मनपा के सभी वार्ड अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि लगी सभी होर्डिंग को निष्कासित करे।मनपा ने 3 दिन तक शहर में लगी होर्डिंग हटाने का निर्देश दिया है। मनपा आयुक्त ने भी मुख्य और आंतरिक सड़कों के साथ-साथ राजनीतिक और गैर-राजनीतिक दलों के सभी अनधिकृत पोस्टर, बैनर और होर्डिंग को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि मनपा द्वारा अवैध होर्डिंग को लेकर नियमित कार्रवाई की जाती है। मनपा के लाइसेंस

विभाग के अधिकारी अवैध होर्डिंग पर कार्रवाई करते रहते है। इसके बावजूद मनपा आयुक्त द्वारा अचानक अवैध होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देना कुछ अलग शंका जता रहा है। मनपा आयुक्त ने अगले तीन दिन तक मुंबई में लगे सभी बैनर पोस्टर और होर्डिंग हटाने का निर्देश दिया है। हालांकि, अनधिकृत होर्डिंग्स पर नकेल कसने की इस अचानक कार्रवाई का कोई कारण अधिकारियों को नहीं बताया गया।मनपा ने बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान करने पर कड़ी कार्रवाई करने का भी प्रस्ताव दिया है। मनपा आयुक्त ने मनपा के सभी जोन के उपायुक्त को निर्देश दिया है कि अपने सभी वार्ड में जाकर अवैध होर्डिंग की जानकारी ले और उसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारी को दे। मुंबई हाई कोर्ट ने वर्ष 2016 मनपा आयुक्त को और सरकार को निर्देश दिया था कि अवैध होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई करे. कोर्ट ने राज्य की राजनितिक पार्टियों को भिओ कटघरे में खड़ा किया था और उन पर भी दंड लगाया था।

वैजापूर के पूर्व विधायक आमदार स्व आबा कैलाश रावजी पाटील chikatgaonkar इन्हें अभिवादन करते हुए पंचायत समिति सभापति राजेंद्र पाटील मगर,सरपंच, महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन के अध्यक्ष अशोक पवार आदी मान्यवर।।

मुझे मेरा भारत लौटा दो

बीते लगभग चार-पांच दशक से जिस तेजी के साथ भारत में पश्चिमी फैशन या रहन-सहन ने पैर पसारना शुरू किया उसे देखकर लगता है कि अब भारत भारत नहीं रहा। जिस प्रकार लोग पुराने कपड़े को उतारकर नया धारण करते हैं ठीक उसी प्रकार हमारे देश के लोगों ने भी धीरे-धीरे भारतीय जीवनशैली को तिलांजलि देकर पश्चिमी जीवनशैली को अंगीकार कर लिया। जब तक भारत में अंग्रेजी हुकूमत थी तब तक भारत से प्रेम करने वालों ने भारत को स्वतंत्र कराने के लिए भारत की जनता के लिए भारत की जनता के द्वारा चुनी हुई भारत की जनता की सरकार बनाने के लिए मौत की परवाह नहीं की। बंदूकों और तोपों के सामने सीना पड़ा दिया। हंसते हंसते फांसी पर झूल गए। यह सब देखकर यही लगा कि भारत से अंग्रेजी राज्य का पलायन होने के बाद भारत की जनता अपने देश की माटी की सुगंध से झूम उठेगी। यहां का किसान बिना किसी दबाव के अपने खेतों में फसल उगा कर उसका भरपूर लाभ ले सकेगा। खेती के लिए किसान अपना हल बैल, अपना बीज, अपने घर की खाद, अपने नदी तालाबों का पानी उपयोग करके खुशहाल जीवन व्यतीत करेगा। उसके सिर पर किसी का कर्ज नहीं रहेगा। जिसको ना पटा सकने पर उसके घर पर कुर्की वारंट पहुंचे और उस सदमे में उसे फांसी पर झूलना पड़े। सोचिए 40- 50 वर्ष पूर्व यहां तक कि देश की आजादी के पहले जंगल हमारे थे जनता बिना किसी रोक-टोक के वन उपज का उपभोग कर सकती थी। जब शिकार पर रोक नहीं थी तब जंगलों में पशु ज्यादा थे आज कम क्यों हैं? बगीचे हमारे थे उन में पैदा होने वाले अनेकों प्रकार के फल बेर, तेंदू, कैथा, आम, कटहल, चार, करौदा आदि समय कैंसर, शुगर, ब्लड प्रेशर जैसी जानलेवा बीमारियों से कोसों दूर रखते थे। घर में पाले हुए गाय भैसों का दूध और गोबर की खाद से पैदा हुआ अनाज हर व्यक्ति को सौ वर्ष का बलिष्ठ स्वस्थ जीवन प्रदान करता था। उस समय बिजली नहीं थी। बड़े-बड़े शादी घर नहीं थे। बसों या रेलों का परिचालन बहुत कम था अधिकांशतः बैलगाड़ी ही सहारा थी। अस्पतालों की संख्या और अस्पतालों में चिकित्सकों की संख्या भी कम थी, कहीं लकड़ी बिकी के केंद्र नहीं, कहीं शमशान का निर्माण नहीं, किसी के घर शौचालय नहीं, स्नानघर नहीं, वातानुकूलित घर नहीं, कार नहीं, रेल के डिब्बे नहीं, गर्मियों में बांस की लकड़ी से बने हाथ पंखे की ठंडी हवा लेने का सहारा थे। कुम्हार के द्वारा बनाए हुए मिट्टी के दीपक में कोल्हू का पेरा हुआ शुद्ध तेल डालकर रोशनी की जाती थी जिससे पर्यावरण भी शुद्ध होता था। भगवान राम वनवास से लौटे तो क्या अयोध्या में मोमबत्तियां जलाकर दीपावली मनाई गई होगी। दीपावली का इतिहास उठाकर देखा जाए तो उसका उदगम भारत के अलावा दुनिया के अन्य किसी देश में देखने को नहीं मिलेगा इसलिए हम भारतवासी सीना ठोक कर कह सकते हैं कि दुनिया को दीपावली मनाना हमने सिखाया परंतु वर्तमान भारत का नवयुवक जब अपनी विरासत को दफनाकर पश्चिमी देशों के रीति रिवाज अपना रहा हो तब वह कैसे कहेगा कि हमने दुनिया को क्या सिखाया। नदियों तालाबों का पानी छोड़ हम विशलरी का बोतलबंद पानी पीने के बाद और उन्नत किस्म के चमकीले मशीनों से शुद्ध किए गए अनाज खा कर डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कैंसर व किडनी के मरीज हो गए। सुख पाने के लिए बांस के पंखे को छोड़ वातानुकूलित मशीनों की शरण में गए पर क्या मिला? कबड्डी, कुश्ती, खो-खो जैसे खेलो को छोड़ हर पल मोबाइल में बीतने लगा, गाय

भैंसों के कत्लखाने खुल गए, शुद्ध दूध को छोड़ शुद्धता के नाम पर डिब्बाबंद पाउडर का दूध उपयोग होने लगा, शुद्ध तेल के दीपक के स्थान पर मोमबत्तियां जलाई जाने लगी, खुशी मनाने के लिए बारूदी बम पटाखे फोड़ कर हवा में जहर घोलने का काम किया जाने लगा। कहने का तात्पर्य आज के समय में प्राप्त हो रही हर प्रकार की सुख सुविधाओं का लाभ लेकर हमने स्वस्थ्य जीवन को खो दिया और रोगों की गठरी को पीठ पर लाद लिया। महात्मा गांधी ने सन 1947 के पहले वाले अभाव ग्रस्त भारत को देखकर ही कहा था कि भारत गांवों में बसता है। उन्होंने हमेशा आधुनिकता की चकाचौंध से दूर रहने का संदेश दिया। देश को आजादी मिलने के पहले भारत से प्रेम रखने वाला भारत का हर नागरिक अंग्रेजों से नफरत करता था किंतु आजादी मिलने के बाद हमने अंग्रेजी सभ्यता को सीने से लगा लिया। आज गांव गांव में बढ़ती हुई आधुनिकता, पश्चिमी देशों का रहन सहन, तन पर भारतीय वेशभूषा का अभाव और जवान पर मातृभाषा हिंदी के स्थान पर अंग्रेजी के शब्द जहां दिखाई और सुनाई पड़ते हो वहां क्या हम अपने 50 वर्ष पूर्व भारत की कल्पना कर सकते हैं। जब हमारा बचपन और जवानी हर पल मोबाइल व कंप्यूटर के इंटरनेट में व्यस्त हो कर जीवन में मिलने वाले ज्ञान और खेल के मैदान से दूर होकर मरीज बनने के रास्ते पर चल पड़ा हो तब हम किस प्रकार की भारत की कल्पना कर सकते हैं। जिस देश में दूध की नदियां बहती रही हों अर्थात हर घर में दूध, दही, घी, मक्खन भरपूर रहता रहा हो वहां के लोग प्लास्टिक की थैलियों में चिप्स, नमकीन, कुरकुरे खाकर भूख मिटा रहे हो और खाली प्लास्टिक की थैलियां भारत भूमि को बंजर बना रही हो वहां हम किस प्रकार के भारत की सोच रखते हैं। भारतीय धार्मिक ग्रंथों के अलावा दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं है जो गाय को माता मानता हो और पूरे विश्वास से कहता हो कि गाय के शरीर में 33 करोड़ देवताओं का वास है। भारतीय धर्म ही हम भारतवासियों को गाय के गोबर व मूत्र को पवित्र मानकर पूजा कार्य में उपयोग करने की प्रेरणा देता है किंतु जब इसी भारत भूमि पर जहां राम और कृष्ण ने जन्म लिया वहां प्रतिदिन सुबह से शाम तक गायों का कत्ल करके उसका खून और मांस भक्षण किया जाता है। इतना ही नहीं यह सब खुली आंखों से देखने वाली भारत की सत्ता पर बैठी सरकार इस पर रोक ना लगा पा रही हो तब हम कैसे भारत का निर्माण चाहते हैं। कृषि भूमि को अधिक उपजाऊ बनाने के नाम पर जहां धरती पर जहरीले पदार्थ भरे जा रहे हो, मुफ्त में मिलने वाली गोबर की खाद को जैविक का नाम देकर जहां उसकी भी कालाबाजारी होने लगी हो और नकली जैविक बनने लगा हो तब सोचना चाहिए कि हम कैसे भारत की तस्वीर बना रहे हैं। एक बात और हम किसान को अन्नदाता की उपाधि से नवाजते हैं लेकिन हमारी सरकारों ने क्या कभी सोचा कि भारत में ऐसा नियम बने कि इस अन्नदाता को कर्ज लेने की नौबत ना आए। नहीं सोचा तो सोचिए कि हम कैसे भारत का निर्माण करने जा रहे हैं। देश की आजादी के 70 वर्षों में भारत की सत्ता की मलाई चखने वाले नेताओं ने अपने कोठी बंगले तो बना लिए किंतु अन्नदाता वहीं का वहीं पड़ा रह गया। गरीब जनता की नब्ज देख देखकर चिकित्सक अमीर हो गए परंतु दवा खाते खाते मरीज का शरीर और जेब दोनों जर्जर हो गए फिर भी ठीक ना हुए। क्या ऐसा ही भारत हम चाहते हैं? क्या ऐसी ही आजादी पाने के लिए भारत के नौजवानों ने अपने प्राणों की आहुतियां दी है? महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, ठाकुर रणमत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, अशफाक उल्ला खान, राम प्रसाद बिस्मिल की आत्मा क्या ऐसे ही भारत को देख कर खुश हो रही होगी जहां सुख की आड़ में दुखों की गठरी सिर पर लादी जा रही हो। इससे तो अच्छा है कि 70 वर्ष पूर्व का भारत ही हमें दे दिया जाए जहां शुद्धता का वास हो वही है हमारा असली भारत। काश! यदि भारत वासियों ने भारत को पीछे छोड़कर अंग्रेजी का लबादा ना ओढ़ा होता तो शायद आज वह कोरोनावायरस भी भारतीयों पर भारी ना पड़ता जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को एक झटके में ही कई वर्ष पीछे धकेल दिया। इसलिए साथियों! यदि हम वास्तविक सुख चाहते हैं तो झूठा दिखावटी भारतीयता को नष्ट भ्रष्ट करने वाला अंग्रेजीयत का लबादा हमें छोड़ना होगा। बोतलों में भरे बासी पानी को त्याग कर कुए के ताजे पानी से ही प्यास बुझाना होगा। हमें यह समझना होगा कि पेप्सी, कोकाकोला या अन्य कोई भी झूठे शीतल पेय दही या छाछ का स्थान नहीं ले सकते। गाय भैंस का दूध जो ताकत होने देगा वह बोर्नविटा या अन्य बनावटी पाउडर नहीं दे सकते। भारत की मुख्य पैदावार जवा, ज्वार, मक्का, बाजरा, कोदो आज भी मनुष्य को निरोग और ताकतवर रखने की क्षमता रखते हैं। वही है असली भारत। यह सच है कि असली हीरे को छोड़कर नकली ग्रग का पीछा करते-करते हम इतना दूर निकल चुके हैं कि अब पीछे लौटना असंभव दिखता है परंतु यह भी सत्य है कि आधुनिकता की चकाचौंध रोशनी में आगे बढ़ने पर बबार्दी की वह खाई हमारा इंतजार कर रही है जहां से हमारी आने वाली पीढ़ियां भी कभी सुख का सूरज नहीं देख पाएंगी।

लेखक
वरिष्ठ पत्रकार

मौलिक अधिकार पार्टी कार्यालय दहिलामऊ उत्तरी प्रतापगढ़ बैठक संपन्न

प्रतापगढ़, दिनांक 01 जून 2023 दिन बृहस्पतिवार को मौलिक अधिकार पार्टी कार्यालय दहिलामऊ उत्तरी प्रतापगढ़ पर जिलाध्यक्ष विश्वास कुमार शर्मा की अध्यक्षता में एवं डॉ0 हरिपाल वर्मा के संचालन में बैठक संपन्न हुई जिसमें पर्यवेक्षक के रूप में प्रदेश महासचिव राम बहादुर शर्मा उपस्थित रहे। बैठक में निम्न बिंदुओं पर रणनीति के तहत निर्देशित किया गयाः-

1-संविधान प्रचार यात्रा उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश से होती हुई दिनांक 15 जून 2023 को समय 10:00 प्रातः हाई कोर्ट प्रयागराज स्थित बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रेस वार्ता करने के पश्चात उसी दिन समय 2:00 प्रतापगढ़ अंबेडकर चौराहे पर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेगी और प्रेस वार्ता करेंगी।

2-प्रदेश सचिव डॉक्टर हरिपाल वर्मा तथा जिला अध्यक्ष विश्वास कुमार शर्मा का उत्तरदायित्व होगा कि प्रेस वार्ता हेतु आमंत्रण पत्र सभी दैनिक समाचार पत्र के कार्यालय पर अनिवार्य रूप से दिनांक 13 जून

2023 को ससम्मान प्राप्त करा देंगे।

3-मौलिक अधिकार पार्टी की प्रतापगढ़ इकाई के सभी पदाधिकारी गण व समर्थकों को दिनांक 15 जून 2023 को समय 12:00 दोपहर को कंपनी बाग चौराहे पर एकत्रित होकर संविधान प्रचार यात्रा के अगवानी हेतु माला फूल के साथ उपस्थित रहेंगे।

4-संविधान प्रचार यात्रा की अगवानी पार्टी की प्रतापगढ़ टीम भूपियामऊ चौराहे से भगवा चुंगी होते हुए अंबेडकर चौराहे पर लायेगी।

5-पिछड़े वर्ग के सभी सामाजिक संगठनों जैसे सैलून एसोसिएशन, एआईएमसीईए, प्रजापति महासभा ,पाल महासभा आदि सभी संगठनों से अधिकाधिक संख्या में आर्थिक सहयोग के साथ उपस्थित होने का निवेदन किया गया है।

6-जनता के संवैधानिक अधिकारों से संबंधित पर्चे के वितरण में उपस्थित लोगों का सहयोग अपेक्षित होगा।

7-प्रेस वार्ता में आए हुए पत्रकार बंधुओं /चैनल प्रभारियों के सम्मान की जिम्मेदारी जिला अध्यक्ष और प्रदेश सचिव की होगी।

8-अंत में संविधान प्रचार यात्रा को सम्मान के साथ जिला अमेठी के बॉर्डर तक मौलिक अधिकार पार्टी की प्रतापगढ टीम पहुंचाएगी।

पर्यवेक्षक प्रदेश महासचिव राम बहादुर शर्मा ने संविधान प्रचार यात्रा की सफलता हेतु दिशा निर्देश देते हुए बैठक का समापन किया। बैठक को प्रमुख रूप से जनार्दन प्रसाद शर्मा जिला उपाध्यक्ष ,राम सजीवन प्रजापति संगठन सचिव, रामकुमार शर्मा नगर सचिव ,वंशपाल चौधरी जिला महासचिव ,सत्येंद्र कुमार शर्मा मंडल अध्यक्ष प्रयागराज उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए निरंतर प्रयासरत यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

हम आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हैं
#MYogiAdityanath

अपनी गुजरात यात्रा पर, अनंत लाल शर्मा की कलम से !

विगत दिनों अपनी गुजरात यात्रा के संदर्भ में आप लोगों के बीच अपनी बात रखते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। गुजरात सविता समाज के उत्थान और चिंता की अपनी यात्रा में हमने जबरदस्त सफलता और प्रगति हासिल की है, 1 जून को सूरत स्टेशन पर श्री अनिल श्रीवास जी ने मेरा स्वागत किया। तत्पश्चात उनके यहां मुझे अतिथ्य सत्कार का सौभाग्य मिला जिसके लिए मैं उनका और उनके परिवार का आभारी हूं। आगे के क्रम को जारी रखते हुए श्री अनिल श्रीवास, श्री संतोष शर्मा जी और श्री विवेक शर्मा जी के साथ शहर समाज के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित समाज अध्यक्ष श्री मेघाराम भाटी जी से मुलाकात की। क्रम बहुत लंबा है यहां पर सभी के नामों का जिक्र करना संभव नहीं।

यहां पर आपको बता दें पिछले कुछ वक्त से अखिल भारतीय सविता महासंघ ने सक्रिय रूप से विभिन्न सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने और वंचित सविता समाज को सशक्त बनाने में लगा हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी शर्मा जी के समर्पित प्रयासों और हमारे सहयोगियों के समर्थन के माध्यम से, हम कई व्यक्तियों और संस्था के जीवन में महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम हुए हैं। सूरत की यादों को संजोकर वड़ोदरा के लिए प्रस्थान किया। वडोदरा शहर समाज अध्यक्ष श्री जगदीश ठाकुर जी ने जोरदार अभिवादन किया जिसका में तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। श्री ठाकुर के नेतृत्व में वडोदरा सजातीय बंधुओं श्री सूरज सिंह, श्री हरीलाल सविता, श्री जेपी शर्मा, श्री परमा ठाकुर, श्री राकेश कुमार सेन, श्री उमेश ठाकुर, श्री शंभूनाथ ठाकुर, श्री प्रभु ठाकुर, श्री मनोज ठाकुर, श्री सुनील शर्मा इत्यादि लोगों से सामाजिक चर्चा हुई। सभी को सप्रेम भेंट स्वरूप मैंने अखिल भारतीय सविता महासंघ का कैलेंडर दिया। सभी सम्मानित सदस्यों के सामने श्री ठाकुर ने अपनी बात रखते हुए कहां की हमारे प्राथमिक फोकस क्षेत्रों में से एक शिक्षा रहा है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा गरीबी और असमानता के चक्र को तोड़ने की कुंजी है। मेरी उपस्थिति में सभी लोगों ने उनके इस वक्तव्य जोरदार समर्थन किया। मैंने भी अपनी बात रखते हुए हमने उन्हें बताया कि हमारी संस्था अखिल भारतीय सविता महासंघ स्वास्थ्य सेवा पहलों में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। हमने विभिन्न प्रकार के चिकित्सा शिविरों का आयोजन करते आ रहे हैं। आज की परिचर्चा को यहीं समाप्त करते हुए सुबह अगले पड़ाव अहमदाबाद जानकारी दी। सुबह अहमदाबाद जाने के पहले हमारे सहयोगी श्री राजन शर्मा से लधु मुलाकात हुई। अहमदाबाद शहर में स्थानीय व्यवसाई श्री विमल जी ने मेरा वेलकम किया। यह मेरे लिए यादगार क्षण था यहां उनके साथ ब्रेकफास्ट टेबल पर कुछ विशेष सामाजिक पहलुओं पर चर्चा हुई। इसके उपरांत यहां स्थित नारायणी माता मंदिर जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जहां समाज के कुछ सम्मानित श्री विजयपाल वर्मा, श्री प्रवीण शर्मा, श्री प्रदीप शर्मा, श्री मुकेश शर्मा ने मेरा अभिनंदन किया। तत्पश्चात रात को श्री मुकेश जी के यहां विश्राम कर रविवार सुबह श्री दीनानाथ शर्मा, श्री हरिप्रसाद शर्मा, श्री ओमप्रकाश शर्मा, श्री पीआर शर्मा, श्री अमित शर्मा, श्री प्रमोद श्रीवास इत्यादि लोगों से भेंट मुलाकात कर सामाजिक परिप्रेक्ष्य में बातें हुई उनमें प्रमुख हमने सजातीय बंधुओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए सशक्त मुद्दों को सामने रखा। विशेषकर सामाजिक कार्यक्रमों में महिलाओं और बच्चों की उपस्थिति अधिक हो इस पर बल डाला।गुजरात के प्यारे बंधुओं, शुभचिंतकों और आप जैसे व्यक्तियों के उदार योगदान के अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के बिना मेरी गुजरात यात्रा सफल नहीं होती। मैं आपके विश्वास और आपके योगदान ने मेरी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और हम आपके निरंतर समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं।

बंधुओं जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने, नई चुनौतियों का समाधान करने और और भी अधिक सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि एक साथ मिलकर हम किसी भी बाधा को दूर कर सकते हैं और एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं।

एक बार फिर, मैं आपके समर्थन और हमारे मिशन में विश्वास के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहूंगा। सामाजिक उत्थान और सरोकार की हमारी यात्रा में आपकी साझेदारी महत्वपूर्ण रही है। हम आपके निरंतर समर्थन की आशा करते हैं क्योंकि हम सभी के लिए बेहतर भविष्य बनाने का प्रयास करते हैं।

आपकी अटूट प्रतिबद्धता और हमारी सफलता का अभिन्न अंग बनने के लिए एक बार फिर धन्यवाद।

आपका अपना
अनंतलाल शर्मा
कार्याध्यक्ष, अखिल भारतीय
सविता महासंघ

राहाता निवासी स्वर्गीय प्रकाशजी मखाना की धर्म पत्नी, आदर्श माता, कुटुंब की जिम्मेदारी को मेहनत से ऊंचाई की ओर ले जानेवाले, संस्कारी, मितभाषी, धार्मिक कार्य में सदैव तत्पर, हमारे आदरणीय ब्यानजिसा रंजनाताई प्रकाश जी मखाना इन्हें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई शुभकामनाए अभिनंदन प्रणाम।।
सौ लता अशोक पवार / अशोक लालचंद पवार
अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन, सभी मान्यवर पदाधिकारी।। पवार परिवार खंडाला वैजापूर रोहा।
Lilde परिवार telhara छापर वाल परिवार संभाजी नगर।।
प्रशांत जी denode परिवार अकोला, राठोड़ परिवार, जलवनिया परिवार,भुसावल।। चव्हाण परिवार देवगांव रूई, निफड़, नाशिक।।
राष्ट्रीय संगठन श्री नारायणी सेना के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी।।
शमाजी परिवार, साप्ताहिक कदम कदम पर, मुंबई।।
राजस्थान सेन मारू सेन समाज ट्रस्ट मंडल नाशिक,नगर, संभाजी नगर,पुणे, नागपुर, नारायणी सेना संगठन प्रदेश अध्यक्ष,राजस्थान, एमपी, नई दिल्ली, गुजरात, इंदौर।।

भारतीय स्वातंत्र्य के ७५ वर्ष पूर्ण होने पर उल्लेखनीय कार्य संपादन करने के लिए माननीय प्रमुख अग्निशमन अधिकारी महोदय के हाथों पदक प्राप्त हुआ...

मनीषा सैन पुत्री मनोज कुमार निवासी नगंल उग्रा बावल रेवाड़ी से upsc में 522 रैंक लेकर सैन समाज को गौरवान्वित किया। समाज की बेटी को बहुत बहुत बधाई!!

कदम कदम पर
परिवार की तरफ से हार्दिक शुभेच्छा!

पत्रकार वार्ता में सिर्फ सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियां महिला पहलवानों के सवाल पर किनारा कर गए मरांडी

सतना। भारत में नरेंद्र मोदी नेतृत्व की सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार के मंत्री विधायक सांसद पूरे भारत में घूम घूम कर सभी जिला मुख्यालयों में पत्रकार वार्ता आयोजित करके सरकार की उपलब्धियों का बखान कर रहे हैं। इसी तारतम्य में मई माह के अंत में नंदिता पाठक जो कभी नानाजी देशमुख के जीवित रहते हैं उनकी परछाई थी ने सतना के भाजपा कार्यालय में पहुंचकर पत्रकारों के सामने शासन की बड़ाई का झंडा लहराया।

एक पखवाड़ा भी नहीं जीत पाया कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और राज्य सांसद सीमा द्विवेदी ने 2 जून को

भाजपा कार्यालय में पुनः पत्रकारों को बुलाकर शासन की समस्त योजनाओं को सामने रखा श्री मरांडी व श्रीमती द्विवेदी की मौजूदगी में सरकार की उपलब्धियों से संबंधित छपी हुई विज्ञप्ति भी शायद इसलिए पत्रकारों को दी गई थी अखबार में उनकी पूरी बात छापी जाए कुछ बाकी ना बचे। श्रीमती नंदिता पाठक और बाबूलाल मरांडी की प्रेस वार्ता में समानता इस प्रकार देखने को मिली कि यह सिर्फ अपनी बात कह कर जल्दी ही प्रेस वार्ता समाप्त करते हैं अर्थात पत्रकारों को सवाल करने का अधिक समय न दिया जाए ऐसा प्लान पहले से ही तय रहता है। यही वजह है कि पत्रकारों के सवालों का सामना सत्ताधारी नेताओं से नहीं हो पा रहा। किसी प्रकार पत्रकारों ने एक दो सवालों के तीर छोड़ भी दिए तो या तो जवाब ही नहीं दिया जाएगा यदि चलते-चलते जवाब दिया भी गया तो सारहीन। श्री मरांडी की उक्त प्रेस नोट (वार्ता) जिसमें राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी भी मौजूद थीं के तीसरे पृष्ठ के तीसरे पैराग्राफ में लिखा गया है कि मरांडी ने कहा कि बीते 9 वर्ष में गरीबों एवं वंचितों की सेवा करने वाला भारत बना नारी शक्ति को संबल देने वाला भारत बना है युवाओं के सपनों को पूरा करने वाला भारत बना है। नारी शक्ति को संबल देने व युवाओं के सपनों को पूरा करने की बात पर एक पत्रकार ने श्री मरांडी से प्रश्न किया कि महिला पहलवानों के साथ किए गए यौन शोषण के आरोपी पर पास्को एक्ट भी लगा है कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही उन महिलाओं के साथ न्याय क्यों नहीं किया जा रहा। श्री मरांडी का जवाब मात्र इतना ही रहा की जांच जारी है इसके बाद उन्होंने कदम बढ़ा दिए जिससे अगले प्रश्न को मौका ही नहीं मिला।

यह साप्ताहिक मालिक, मुद्रक, प्रकाशक छोटेलाल शर्मा ने प्रचिता प्रिंट प्रा. लि. गाला नं.१३, मकाबा बिल्डिंग, एन. एम. जोशी मार्ग, भायखला (प.), मुंबई-४०००२७ से छपवाकर रुम नं. ३, सकला देवी चाल, राहुल मोटर ट्रेनिंग स्कूल के पास, नेहरू नगर, कांजूरमार्ग (पूर्व), मुंबई-४०००४२ महाराष्ट्र यहां से प्रकाशित किया। संपादकः छोटेलाल शर्मा (मो. ०९८१९८६२१७२) Email : kadamkadampar1@gmail.com